

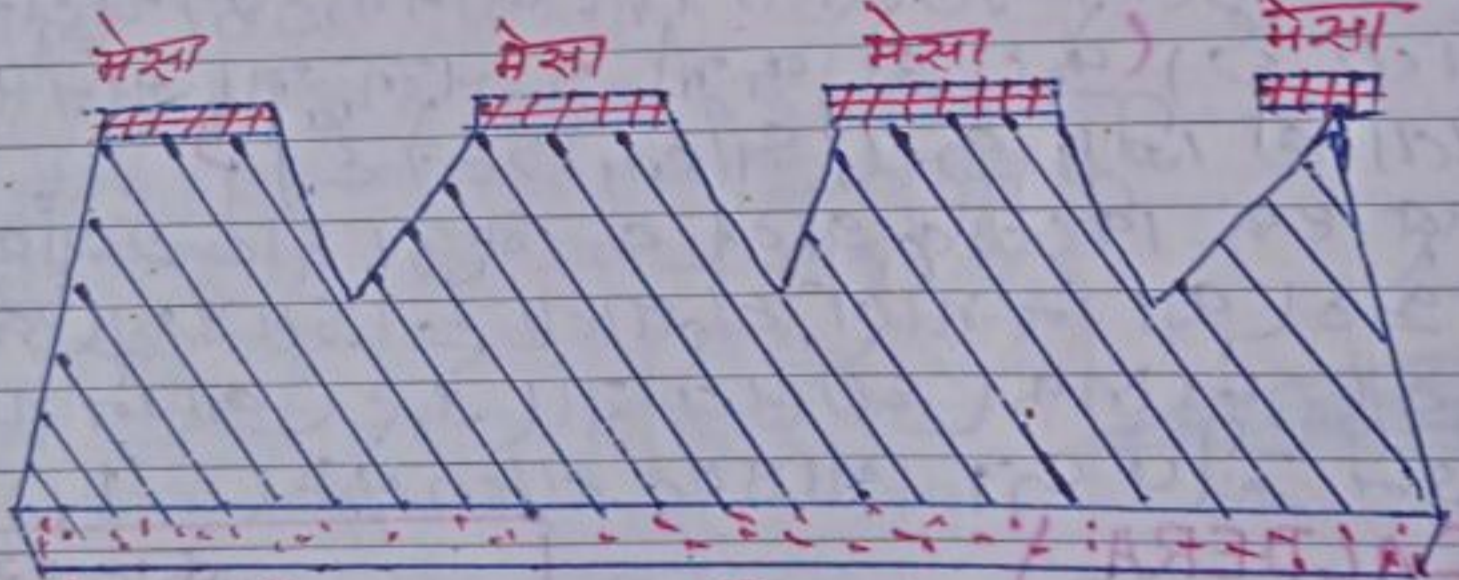
19 WEDNESDAY MAY
Wk-21 (140-226)

द्वारा प्रक्रिया द्वारा निर्मित स्थलरूप (Topography due to Fissure Eruption)

① लावा पठार (LAVA PLATEAU)
ज्वालामुखी विस्फोट से अल्पावधिक लावा निकलने पर विस्तृत पठारों का निर्माण होता है। जैसे दक्षिण भारत का पठार (U.S.A का कोलोराडो पठार)

② लावा मैदान (LAVA PLAIN)
जब लावा का प्रवाह कम होता है तथा जब लावा फैला है तो यह एक दूबल लावा की पतली चादल का विस्तार हो जाता है। इसे ही लावा का मैदान कहते हैं।

③ मेसा एवं बुटी (MESA AND BUTTE)
मेसा शब्द स्पैनिश शब्द है जिसका अर्थ मेज होता है। वास्तव में इसकी आकृति सपाट मेज (Table) की तरह दिखती है। लावा पठार में अनेक धारियों का निर्माण होता है, किन्तु पुरानी धारियों के उपर जहाँ लावा की परत अवरोधक होती है, वहाँ अपरदन नहीं हो पाता है। इस प्रकार लावा की पट्टी प्राचीन शैल के उपर टोपी के सदृश दिखती है जिसे मेसा कहा जाता है। मेसा का अर्थात् जब होता हो तो इसे बुटी कहा जाता है। दक्कन लावा क्षेत्र में इसकी प्रचुरता है।



अभ्यन्तरिक स्थलरूप (INTRUSIVE TOPOGRAPHY)

धरातल के नीचे मैग्मा से गोल हो जाने लैबनी आकृतियाँ निर्मित हैं।

① बैथोलिथ (BATHOLITH)
बैथोलिथ जर्मन शब्द BATHO से बना है, जिसका अर्थ "गहराई" होता है। वास्तव में यह लाखों उमरे असमान एवं उभरे हुए आग्नेय पट्टे हैं जो गहराई में पाया जाता है। ये प्रायः गुम्बद के आकार के होते हैं, जिनके किनारे बड़े ढाल वाले होते हैं। इनकी संरचना में बेनाइट की प्रधानता होती है।

② लैकोलिथ (LACOLITH)
जब मैग्मा उपर की परत को जोर से उपा उठता है, आर गुम्बद का रूप में जन्म पाता है। लैकोलिथ कहते हैं। ये विशेषकर परतदार शैलों में पाया जाता है। U.S.A

Today's Priorities

APRIL 2004

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24

अच्छे राज्यों के देखरी पर्वत पर इसके उदाहरण पाये जाते हैं।

2004

MAY

THURSDAY

20

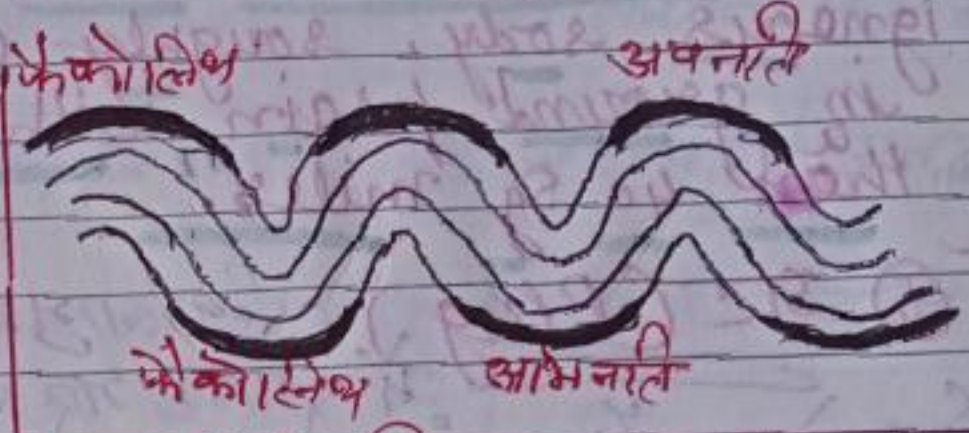
Wk-21 (141-225)



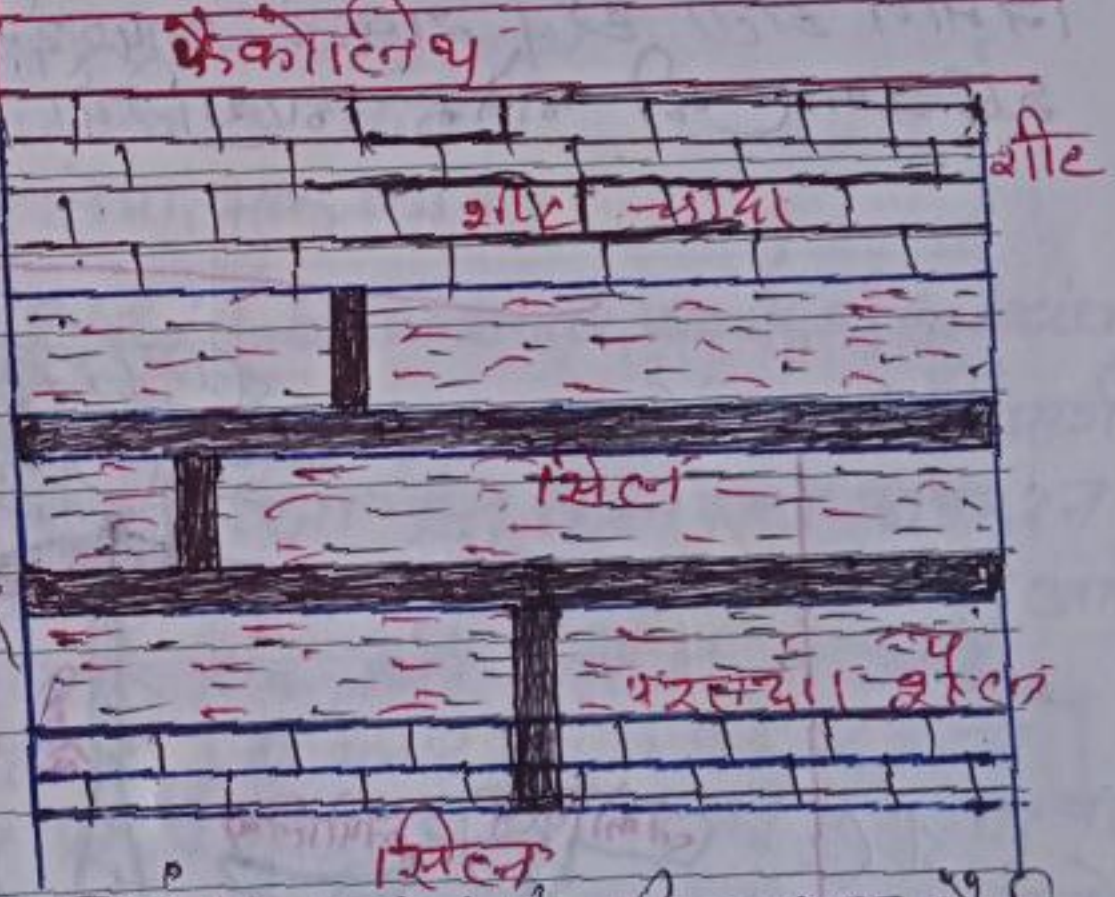
लैकोलिथ

3 फैकोलिथ (PHACOLITH)

ज्वालामुखी के समान मोड़दार पर्वतों की अपनारी तथा अभिनारी में जब लावा का जमाव होता है तो उसे फैकोलिथ कहते हैं।



4 लोपोलिथ (LOPOLITH) - आग्नेय चट्टानों में निर्मित ऐसी आच्छादी तलवरीनुमा होती है जिसके केन्द्रिय भाग मोटे मोटे एवं किनारे पतले होते हैं। ये दक्षिण अमेरिका में मिलते हैं।



5 शिल (SILL) - जब मैग्मा भू-पृष्ठ के समानान्तर परतों में फैलकर जमता है तो उसे शिल कहते हैं। इसकी मोटाई एक मी. से लेकर दो मी. तक होती है।

कभी-कभी मैग्मा पृथ्वी के अन्दर समान्तर परतों के बीच एक क्षैतिज परतली परत के रूप में जम जाता तो उसे शिल कहते हैं। इससे एक की श्रेष्ठ पहचान शिल विश्व प्रसिद्ध है। (जिसका एक मॉडल केवल यहाँ के शिल मिलता है)

शीट - पतली शिल को शीट कहा जाता है।

6 डाइक (DYKE)

भू-गर्भ में मैग्मा के जमने से जब लम्बवत आग्नेय चट्टानी पिंड बन जाते हैं तो इन्हें डाइक कहते हैं। इसकी लम्बाई कुछ मी. से कई कि.मी. तक होती है। तथा मोटाई कुछ से 10 से कई मी. तक होती है। ये कठोर होने से अपरदन से बचाव रहते हैं।

JUNE 2004						
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30			

Today's Priorities

आस-पास की चट्टानों को काट जाने के बाद डाइक एक विशाल
 दिवाल की भाँति दिखाई पड़ती है। आरखाइ के 2004
 21 FRIDAY दिवाल की भाँति दिखाई पड़ती है। आरखाइ के 2004
 स्टॉक (STOCK) दिवाल की भाँति दिखाई पड़ती है। आरखाइ के 2004

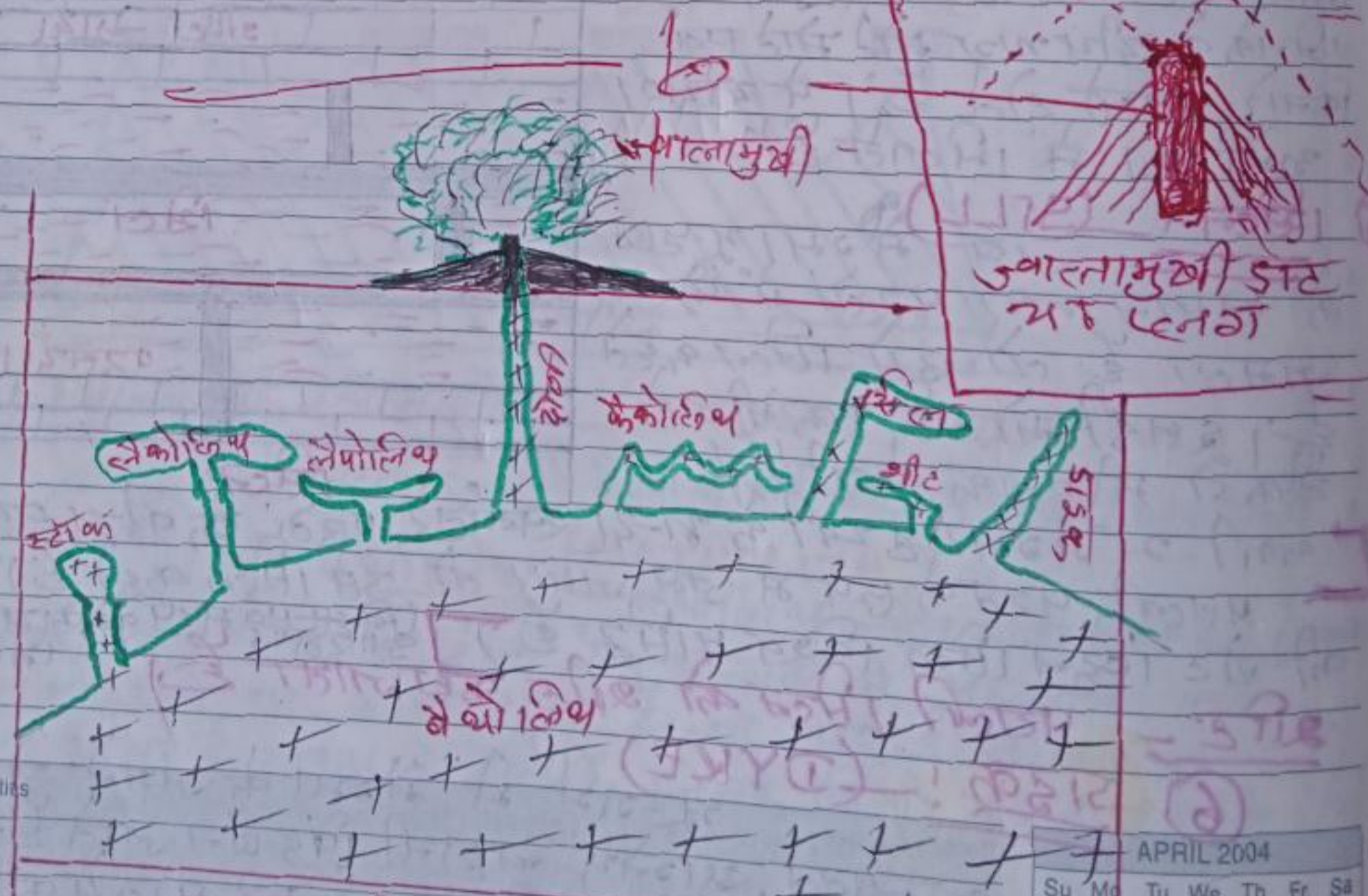
स्टॉक! इसे आकार के बंधोलेथ
 को स्टॉक कहते हैं। इसके
 इनका भी उपरी भाग गोलाकार
 आकृति में होता है। शेष विशेषताएँ
 बंधोलेथ जैसी ही होती हैं। इसका
 क्षेत्रफल 100 वर्ग किमी (30 वर्ग मील) है।



Longwell का Flint का क्षेत्र में -

"A stock in an intrusive
 igneous body, roughly circular or elliptical
 in ground plan, with an exposed area of less
 than 40 Sq miles."

डाट (Plug) ज्वालामुखी के शंखु के जाने पर उसकी नली
 में दबाकर भर जाने से इस प्रकार की आकृति का
 निर्माण होता है। शंखु के अपरदन से यह डाट दिखाई देने लगती है।
 इस प्रकार की आकृति का हवाई दृश्य में पायी जाती है।



अभ्यान्तरिक स्थलाकृतियाँ

APRIL 2004						
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	